मेन्स मास्टर

बिना दृष्टि के संशोधन

संदर्भ

संपादकीय में आपराधिक कानूनों को अद्यतन करने के लिए भारत की संसद में तीन विधेयकों के पारित होने की रूपरेखा दी गई है, जिसमें कई विपक्षी सदस्यों की अनुपस्थिति के कारण प्रक्रिया के बारे में चिंताओं को उजागर किया गया है। इसमें प्रक्रियात्मक सुधारों की ओर इशारा करते हुए सकारात्मक बदलावों और विवादास्पद बिंदुओं सहित कानूनों में संशोधन पर चर्चा की गई है। हालाँकि, यह आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक व्यापक योजना की अनुपस्थिति पर जोर देता है। (THS-21 दिसंबर देखें)

विधायी प्रक्रिया संबंधी चिंताएँ:

• **विपक्ष की उपस्थिति का अभाव:** 140 से अधिक लापता सदस्यों, मुख्य रूप से विपक्ष से, ने विधेयक पारित होने के दौरान गहन चर्चा और जांच के बारे में चिंता जताई।

• **सीमित विचार-विमर्श:** अनुपस्थिति ने व्यापक बहस में बाधा डाली, संशोधित आपराधिक कानूनों पर विविध दृष्टिकोण सीमित कर दिए।

• **चिंताओं का अपर्याप्त समाधान:** पूर्व जांच के बावजूद, संसद में सीमित व्यस्तता ने विधेयकों के साथ कई अनसुलझे मुद्दों को छोड़ दिया।

नए कोड की सामग्री:

• **मूल भाषा को बरकरार रखा गया:** नए कानूनों ने बड़े पैमाने पर मूल भाषा को बरकरार रखा, जिससे परिवर्तनकारी परिवर्तनों के बारे में सवाल उठने लगे।

• **विशुद्ध भारतीय कानूनी ढांचे के दावे को चुनौती:** न्यूनतम परिवर्तन विशुद्ध भारतीय कानूनी ढांचे के दावे पर सवाल उठाते हैं।

बीएनएस में सुधार:

• **पुरानी धाराओं को हटाना:** राजद्रोह की धारा को हटाया गया; मॉब लिंचिंग के खिलाफ प्रावधान शामिल थे।

• **मॉब लिंचिंग को अलग अपराध के रूप में शामिल करना:** नस्ल, जाति आदि से संबंधित घृणा अपराधों को संबोधित करना।

• **व्यभिचार को लिंग-तटस्थ अपराध के रूप में बाहर करना:** उच्चतम न्यायालय के निर्देश का अनुपालन।

विवाद और संदिग्ध निष्कर्ष:

• **सामान्य दंड कानून में 'आतंकवाद' को शामिल करना:** अतिरेक और संभावित कानूनी मुद्दों को बढ़ाता है।

• **गंभीर आरोपों को हल्के में लागू करने के बारे में चिंताएँ:** गंभीर आरोपों का संभावित दुरुपयोग या आकस्मिक अनुप्रयोग।

प्रक्रियात्मक पहलू:

• **स्वागत प्रावधान:** अपराध स्थान की परवाह किए बिना एफआईआर की अनुमति; फोरेंसिक उपयोग और वीडियोग्राफी पर जोर दिया।

• **15-दिन की सीमा से परे पुलिस हिरासत पर स्पष्टता का अभाव:** नई आपराधिक प्रक्रिया में 15-दिन की सीमा से परे अस्पष्ट विस्तार।

व्यापक रूपरेखा का अभाव:

• **बिना दूरदृष्टि वाले संशोधनों की आलोचना:** आपराधिक न्याय प्रणाली में प्रणालीगत अपर्याप्तताओं को दूर करने के लिए संशोधनों में व्यापक दृष्टिकोण का अभाव था, जिसके कारण व्यापक सुधारों की आवश्यकता थी।

सतर्क रहना

संदर्भ

एक अन्य संपादकीय JN.1 COVID-19 संस्करण के उद्भव और तेजी से प्रसार पर प्रकाश डालता है, इसकी विशेषताओं, भारत में प्रभाव और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयासों का राजनीतिकरण किए बिना निवारक कार्य करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। यह प्रभावी COVID-19 प्रबंधन के लिए आवश्यक उपायों के रूप में बढ़ी हुई निगरानी, व्यापक परीक्षण और क्षेत्रीय कलंक को हतोत्साहित करने पर जोर देता है।

JN.1 वेरिएंट का उद्भव और विशेषताएं:

• **तीव्र प्रसार और व्यापकता:** जेएन.1 संस्करण, बीए.2.86 ओमिक्रॉन वंश का वंशज, एक महीने में विश्व स्तर पर 27% से अधिक तक पहुंच गया है।

• **पहचान और विशेषताएं:** पहली बार अगस्त के अंत में लक्ज़मबर्ग में पाया गया, JN.1 वैरिएंट स्पाइक प्रोटीन में एक अतिरिक्त उत्परिवर्तन (L455S) करता है, जो प्रतिरक्षा चोरी को बढ़ाता है, और अन्य ओमिक्रॉन सबलाइनेज के साथ उच्च संप्रेषणीयता साझा करता है।

• **संभावित प्रभुत्व:** विश्व स्तर पर प्रमुख तनाव बनने की संभावना है, विशेष रूप से आगामी सर्दियों के मौसम में इसके प्रसार की सुविधा होगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का वर्गीकरण और अंतर्दृष्टि:

• **रुचि पदनाम का प्रकार:** हाल ही में BA.2.86 वंश के भीतर इसकी व्यापकता के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा रुचि के एक अलग प्रकार के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

• **स्वास्थ्य संबंधी निहितार्थ:** सीमित सबूत बताते हैं कि जेएन.1 रोग की गंभीरता को नहीं बढ़ाता है या अन्य परिसंचारी वेरिएंट की तुलना में अधिक मृत्यु का कारण नहीं बनता है।

भारत में JN.1 वेरिएंट:

• **मामला घटना:** केरल में पहला मामला दर्ज किया गया; भारत में कुल 21 मामलों में से सबसे अधिक मामले (19) गोवा में सामने आए हैं।

• **नैदानिक प्रभाव:** भारत में सभी 21 मामले चिकित्सकीय रूप से हल्के थे, जिसके लिए घर पर अलगाव की आवश्यकता थी।

• **COVID-19 मामलों में वृद्धि:** भारत ने पिछले पखवाड़े में COVID-19 मामलों में तेज वृद्धि का अनुभव किया है।

सिफ़ारिशें और स्वास्थ्य उपाय:

• **उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए मास्क लगाना:** उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों को मास्क पहनने के लिए प्रोत्साहित करना, विशेष रूप से खराब हवादार बंद स्थानों में।

• **संशोधित निगरानी दिशानिर्देश:** इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण (एसएआरआई) वाले सभी रोगियों का सीओवीआईडी -19 के लिए परीक्षण किया जाता है; अद्यतन दिशानिर्देशों के अनुसार सकारात्मक मामलों को अनुक्रमित किया गया।

• **जीनोम अनुक्रमण पर जोर:** नए वेरिएंट के प्रसार की निगरानी और समझने के लिए जीनोम अनुक्रमण पर निरंतर ध्यान केंद्रित किया गया।

• **कलंकीकरण से बचना:** अधिक मामलों या नए वेरिएंट की रिपोर्ट करने वाले राज्यों को शर्मसार करने के प्रति सावधानी; सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों पर गैर-राजनीतिक और सांप्रदायिक दृष्टिकोण पर जोर देता है।

इच्छुक न्यायाधीशों के लिए अपील और कैरियर की संभावनाएँ:

• **एआईजेएस का आकर्षण:** राज्य सेवाओं की तुलना में एआईजेएस में सेवा करने का आकर्षण युवा वकीलों की प्राथमिकताओं को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं कर सकता है।

• **सुविधाएं और वेतन संरचनाएं:** निजी कानूनी प्रैक्टिस की तुलना में बुनियादी सुविधाएं और वेतन असमानता जैसे मुद्दे करियर विकल्प के रूप में न्यायपालिका के आकर्षण को प्रभावित करते हैं।

संघवाद और न्यायिक स्वतंत्रता के समक्ष चुनौतियाँ:

• **संघवाद की चिंताएँ:** AIJS को लागू करने से राज्य और उच्च न्यायालय की स्वायत्तता को चुनौती मिल सकती है, जिससे केंद्रीकृत नियंत्रण के बारे में चिंताएँ बढ़ सकती हैं।

• **न्यायिक स्वतंत्रता:** यदि वादियों, विशेष रूप से सरकार, का न्यायाधीशों की नियुक्तियों और निर्णयों पर प्रभाव हो, तो न्यायिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बन जाता है।

न्यायपालिका को मजबूत करने के लिए वैकल्पिक समाधान:

• **करियर पथ में वृद्धि:** प्रणालीगत मुद्दों के समाधान के लिए जिला न्यायपालिका से लेकर उच्च न्यायालयों तक एक सहज करियर पथ की आवश्यकता पर जोर देना।

• **बुनियादी ढांचा और समर्थन:** न्यायपालिका की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार और विशेष रूप से गैर-महानगरीय क्षेत्रों में पर्याप्त सहायता प्रदान करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालना।

क्या अखिल भारतीय न्यायिक सेवा बनाई जानी चाहिए?

प्रसंग

यह लेख अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (एआईजेएस) प्रस्ताव की चुनौतियों और संभावित प्रभावों की पड़ताल करता है, जिसमें न्यायिक विविधता, भर्ती बाधाओं, इच्छुक न्यायाधीशों के लिए कैरियर की संभावनाओं और संघवाद और न्यायिक स्वतंत्रता के लिए व्यापक निहितार्थों पर इसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अतिरिक्त, यह न्यायपालिका को मजबूत करने के लिए वैकल्पिक रणनीतियों पर चर्चा करता है, और अधिक प्रभावी न्यायपालिका प्रणाली के लिए कैरियर पथ में वृद्धि और बुनियादी ढांचे में सुधार के महत्व पर जोर देता है।

एआईजेएस: न्यायिक विविधता और भर्ती चुनौतियों का समाधान:

• **विविधता की चुनौतियाँ:** न्यायपालिका को प्रतिनिधित्व के मुद्दों का सामना करना पड़ता है, जिसमें महिलाओं का प्रतिशत कम है और अधीनस्थ न्यायालयों में समुदायों का प्रतिनिधित्व कम है।

• **प्रवेश बाधाएँ:** कठोर परीक्षा की तैयारी और वर्षों का अभ्यास चुनौतियाँ पैदा करता है, खासकर न्यायपालिका में प्रवेश करने वाले हाशिए के समूहों के लिए।

• **मौजूदा प्रयास:** राज्य सरकारों और उच्च न्यायालयों ने सकारात्मक कार्रवाई के प्रयास किए हैं, जो न्यायिक सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से स्पष्ट है।

भर्ती और रिक्तियों पर AIJS का संभावित प्रभाव:

• **रिक्ति संबंधी चिंताएँ:** जिला न्यायपालिका में लगातार रिक्तियाँ इस मुद्दे को हल करने के लिए एक केंद्रीकृत भर्ती प्रणाली की प्रभावशीलता पर सवाल उठाती हैं।

• **आयु और अनुभव कारक:** एक हस्तांतरणीय एआईजेएस में स्थापित प्रथाओं वाले वकीलों का परिचय उम्र और स्थापित स्थानीय कनेक्शन के कारण संभावित उम्मीदवारों को रोक सकता है।

डाकघर विधेयक, 2023 का विश्लेषण

प्रसंग

लेख पोस्ट ऑफिस बिल, 2023 पर प्रकाश डालता है, इसमें अवरोधन की अनुमति देने वाले प्रावधानों की जांच की गई है, गोपनीयता के उल्लंघन और अनियंत्रित आपातकालीन शक्तियों पर सांसदों द्वारा चिंता जताई गई है, राष्ट्रीय सुरक्षा, कानूनी संदर्भ और विशेषज्ञ राय का हवाला देते हुए संभावित सुरक्षा उपायों की कमी को उजागर किया गया है। राज्य निगरानी. यह मुख्य रूप से बिल के भीतर अवरोधन, गोपनीयता और निगरानी संबंधी चिंताओं पर बहस पर केंद्रित है।

डाकघर विधेयक, 2023 की पृष्ठभूमि और अवलोकन:

• राज्यसभा ने डाक विभाग के संचालन को बढ़ाने के उद्देश्य से औपनिवेशिक युग के भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898 की जगह लेने वाला विधेयक पारित किया।

• शशि थरूर ने केंद्र द्वारा डाक वस्तुओं को रोकने की अनुमति देने वाले प्रावधानों पर लोकसभा में चिंता जताई, जिसका विभिन्न नेताओं ने विरोध किया।

डाकघर विधेयक, 2023 के प्रमुख प्रावधान:

• अवरोधन के आधार और शक्तियां: राज्य सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, आपातकाल, या कानूनों के उल्लंघन के आधार पर अवरोधन की अनुमति देता है; अधिकारी डाक लेखों को 'अवरुद्ध, खोल या हिरासत में' ले सकते हैं।

• **सीमा शुल्क तक डिलीवरी:** मौजूदा कानूनों के अनुसार आगे की कार्रवाई के लिए संदिग्ध वस्तुओं को सीमा शुल्क प्राधिकरण तक पहुंचाने के लिए डाकघर को अधिकृत करता है।

• **दायित्व से छूट:** डाकघर को दायित्व से छूट मिलती है जब तक कि धोखाधड़ी या जानबूझकर की गई लापरवाही साबित न हो जाए।

• **अपराधों को हटाना:** अवैतनिक राशि की वसूली को छोड़कर पिछले अधिनियम में मौजूद अपराधों को हटा देता है।

विधेयक को लेकर सांसदों ने जताई चिंता:

• **गोपनीयता का उल्लंघन:** सांसदों ने राज्य प्रायोजित हैकिंग प्रयासों के संबंध में हालिया अलर्ट का हवाला देते हुए गोपनीयता अधिकारों के उल्लंघन के बारे में चिंता व्यक्त की।

• **अनिर्दिष्ट 'आपातकालीन' शक्तियां:** 'आपातकाल' को परिभाषित करने में स्पष्टता का अभाव अधिकारियों को अनियंत्रित शक्तियां प्रदान करता है, जिससे चिंताएं बढ़ जाती हैं।

• **प्राधिकरण चयन में अस्पष्टता:** अवरोधन के लिए सशक्त अधिकारियों के चयन पर स्पष्टता की कमी ने सांसदों के बीच सवाल उठाए।

• **अवरोधन प्रक्रिया का अभाव:** सांसदों ने अवरोधन प्रक्रिया को निर्दिष्ट नहीं करने के लिए विधेयक की आलोचना की, जिससे मनमानी कार्रवाइयां हो रही हैं।

• **निगरानी को प्रोत्साहन:** सांसदों ने उचित दिशानिर्देशों या सीमाओं के बिना राज्य निगरानी को बढ़ावा देने के लिए विधेयक की आलोचना की।

• **शिकायत निवारण का अभाव:** नागरिकों के लिए अवरोधन का विरोध करने या उसका समाधान करने के लिए तंत्र की अनुपस्थिति ने सांसदों के बीच चिंताएँ बढ़ा दीं।

सरकार की प्रतिक्रिया और कानूनी संदर्भ:

• सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों के लिए भारत के विविध समाज के बीच अवरोधन की आवश्यकता का हवाला देते हुए प्रावधान का बचाव किया।

• विधि आयोग और विधायी इतिहास अवरोधन को विनियमित करने के पिछले प्रयासों को दर्शाते हैं लेकिन उन्हें बाधाओं का सामना करना पड़ा।

• सुप्रीम कोर्ट के फैसलों में गोपनीयता के अधिकार, आवश्यकता और निगरानी उपायों में आनुपातिकता पर जोर दिया गया।

विशेषज्ञ की राय और निगरानी संबंधी चिंताएँ:

• कानूनी विशेषज्ञ ने विशिष्ट अवरोधन आदेश आवश्यकताओं की अनुपस्थिति की ओर इशारा करते हुए विधेयक में सुरक्षा उपायों की कमी पर प्रकाश डाला।

• आगाह किया गया कि अपर्याप्त सुरक्षा उपायों और लिखित आदेशों की कमी के कारण विधेयक के प्रावधानों से राज्य की निगरानी हो सकती है।• सीमा शुल्क तक डिलीवरी: मौजूदा कानूनों के अनुसार आगे की कार्रवाई के लिए संदिग्ध वस्तुओं को सीमा शुल्क प्राधिकरण तक पहुंचाने के लिए डाकघर को अधिकृत करता है

प्रीलिम्स ब्लास्टर

42 साल से लापता, नामदाफा गिलहरी अरुणाचल प्रदेश में फिर से उभरी

- 🐿️ नामदाफा फ्लाइंग गिलहरी, जिसे आखिरी बार 1981 में नामदाफा टाइगर रिजर्व, अरुणाचल प्रदेश में देखा गया था, को फ़िरोज़ अहमद के नेतृत्व और सौरव गुप्ता और सौरव मार्डी सहित एक जैव विविधता संरक्षण समूह अरण्यक द्वारा विस्तृत खोज के बाद अप्रैल 2022 में फिर से खोजा गया था।- 🌲 2021 में दस अभियानों में आरण्यक के 79-दिवसीय अभियानों के कारण गिलहरी की फिर से खोज हुई, जिसमें अरुणाचल प्रदेश वन विभाग के एक अनुसंधान अधिकारी ताजुम योमचा ने खोज प्रयास में योगदान दिया।

- 🔍 एक पेड़ के ऊपर एक लाल और भूरे बालों वाला रोएंदार स्तनपायी देखा गया, और सावधानीपूर्वक जांच और परीक्षण के बाद, विशेषज्ञों ने अस्थायी रूप से प्राणी की पहचान नामदाफा फ्लाइंग गिलहरी के रूप में की।

- 1981 में एकत्र किए गए और कोलकाता में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण में संग्रहीत नमूने की तुलना के लिए क्षेत्र से डीएनए नमूना संग्रह सहित एक विस्तृत अध्ययन करने की योजना पर काम चल रहा है।

- 🌿 गिलहरी की पुनः खोज की संभावित पुष्टि संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ रखती है, संभवतः नामदाफा टाइगर रिजर्व और व्यापक क्षेत्र में बढ़े हुए सुरक्षा उपायों और जैव विविधता संरक्षण प्रयासों की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।

WHO ने सीरम इंस्टीट्यूट की मलेरिया वैक्सीन को प्रीक्वालिफाई किया है

- 💉 ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा विकसित और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित आर21/मैट्रिक्स-एम मलेरिया वैक्सीन को बच्चों में मलेरिया की रोकथाम के लिए डब्ल्यूएचओ की पूर्व-योग्य टीकों की सूची में जोड़ा गया है।

- 🌍 WHO ने बच्चों में मलेरिया की रोकथाम के लिए अक्टूबर 2023 में इसके उपयोग का समर्थन किया, जिससे यह जुलाई 2022 में RTS,S/AS01 के बाद प्रीक्वालिफिकेशन स्टेटस प्राप्त करने वाला दूसरा मलेरिया वैक्सीन बन गया।

- 🚀 प्रीक्वालिफिकेशन बच्चों में मलेरिया की रोकथाम के लिए टीकों तक बड़ी पहुंच की सुविधा प्रदान करता है और यूनिसेफ की वैक्सीन खरीद और वैक्सीन तैनाती के लिए गावी के वित्त पोषण समर्थन के लिए आवश्यक है।
- ⚕ क्लिनिकल परीक्षणों ने बच्चों में बीमारी को रोकने में दोनों पूर्व-योग्य मलेरिया टीकों की सुरक्षा और प्रभावकारिता का प्रदर्शन किया है।
- मलेरिया अफ्रीकी क्षेत्र में बच्चों को असमान रूप से प्रभावित करता है, जिससे सालाना लगभग पांच लाख मौतें होती हैं, 2022 में दुनिया भर में 249 मिलियन मलेरिया के मामले सामने आए, जिसके परिणामस्वरूप 85 देशों में 608,000 मौतें हुईं।
- 🏥 डब्ल्यूएचओ नियमित मूल्यांकन, साइट निरीक्षण और लक्षित परीक्षण के साथ टीके की सुरक्षा, प्रभावकारिता और अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करता है, जिसमें पूर्व-योग्य टीकों की सुरक्षा और प्रभावशीलता को बनाए रखा जाता है, जिसमें क्षमता, थर्मोस्टेबिलिटी, प्रस्तुति, लेबलिंग और अनुरूप शिपिंग स्थितियों जैसे मानदंड शामिल हैं। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रमों के लिए.

बेंगलुरु हवाई अड्डे ने यूनेस्को के 2023 प्रिक्स वर्सेल्स में पुरस्कार जीता

🏆 केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 (KIA T2) को इंटीरियर के लिए यूनेस्को के 2023 प्रिक्स वर्सेल्स में मान्यता मिली, विश्व विशेष पुरस्कार प्राप्त हुआ और एली साब की अध्यक्षता में विश्व न्यायाधीश पैनल द्वारा विश्व खिताब जीतने के लिए नवीनतम वास्तुशिल्प परियोजनाओं में से एक की घोषणा की गई।- 🏛️ 2015 में स्थापित यह पुरस्कार बुद्धिमान स्थिरता, नवाचार का सम्मान, स्थानीय विरासत, पारिस्थितिक दक्षता और सामाजिक संपर्क मूल्यों पर जोर देता है।

- 🏗️ 11 नवंबर, 2022 को उद्घाटन किया गया, KIA T2 255,661 वर्ग मीटर को कवर करता है और चार मूलभूत स्तंभों पर खड़ा है: तकनीकी नेतृत्व, बगीचे जैसा माहौल, पर्यावरणीय प्रबंधन और कर्नाटक की संस्कृति का उत्सव, जिसमें इंजीनियर बांस और अद्वितीय सौंदर्यशास्त्र जैसे अंदरूनी हिस्सों का उपयोग किया गया है। इनडोर गार्डन, जमी हुई मिट्टी की दीवारें, झरने, और लटकी हुई घंटियाँ।
- 💬 बेंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) के एमडी और सीईओ हरि मरार ने टी2 के नामांकन और इसकी मान्यता पर बहुत गर्व व्यक्त किया, वैश्विक यात्रियों पर स्थायी प्रभाव छोड़ने और राज्य और देश की पेशकशों को प्रदर्शित करने वाले एक विशिष्ट प्रवेश द्वार के रूप में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला

- 🎨 KIA T2 का डिजाइन यात्री अनुभव को बढ़ाने के लिए BIAL के कला कार्यक्रम के हिस्से के रूप में क्यूरेटेड कला और सजावट तत्वों पर केंद्रित है, जिसमें टिकाऊ डिजाइन पर जोर दिया गया है, जो यूएस ग्रीन बिल्डिंग द्वारा प्लैटिनम LEED रेटिंग के साथ इसके पूर्व-प्रमाणन में परिलक्षित होता है। काउंसिल और आईजीबीसी ग्रीन न्यू बिल्डिंग रेटिंग सिस्टम के तहत प्रतिष्ठित प्लेटिनम प्रमाणन प्राप्त करना, स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट में केरल को काम करने के लिए सबसे पसंदीदा राज्य पाया गया है

- 🌐 प्रतिभा मूल्यांकन एजेंसी व्हीबॉक्स द्वारा भारत कौशल रिपोर्ट 2024 के अनुसार, केरल रोजगार के लिए सबसे पसंदीदा राज्य के रूप में उभरा, कोच्चि ने दूसरे और तिरुवनंतपुरम ने लिंग और सभी आयु समूहों के लिए पसंदीदा शहरों में चौथा स्थान हासिल किया।
- 📊 रिपोर्ट में पूरे भारत में राष्ट्रीय रोजगार परीक्षण के माध्यम से 3.88 लाख युवाओं का सर्वेक्षण किया गया, जो भारत की रोजगार क्षमता में महत्वपूर्ण सुधार का संकेत देता है, मूल्यांकन किए गए 51.25% युवाओं को रोजगार योग्य माना गया, जिनके पास आवश्यक कौशल थे।
- 🎓 केरल 18-21 वर्ष के युवाओं के बीच समग्र रोजगार क्षमता में दूसरे स्थान पर है, कंप्यूटर कौशल को विकसित करने में कौशल का प्रदर्शन कर रहा है, और बी.ई./बीटेक और पॉलिटेक्निक डोमेन और अंग्रेजी भाषा में रोजगार योग्य प्रतिभा की उच्चतम एकाग्रता के लिए राज्यों के बीच समग्र रूप से तीसरा स्थान हासिल कर रहा है। प्रवीणता।
- 💼 केरल के विविध प्रतिभा पूल पर जोर दिया गया, जो विभिन्न नौकरी बाजार की मांगों को पूरा करने की क्षमता का संकेत देता है, बदलते कार्य वातावरण में लचीलापन और अनुकूलनशीलता प्रदर्शित करता है, तिरुवनंतपुरम में राज्य की राजधानी में प्रवास करने वाले उच्च कुशल व्यक्तियों की बढ़ती संख्या दिखाई देती है।
- 🏗️ रिपोर्ट में पिछले दशक में 2.5 लाख से अधिक उच्चतर माध्यमिक छात्रों को कौशल प्रदान करने में ASAP केरल की भूमिका और देश भर में उन्नत प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण के लिए मॉडल के रूप में एजेंसी द्वारा सामुदायिक कौशल पार्क और उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की सराहना की गई।

तमिलनाडु. खाड़ी में तेल रिसाव से प्रभावित पक्षियों के लिए एक 'कैफेटेरिया' जल्द ही आ रहा है।

- मनाली में उद्योगों के कारण तेल फैल गया, जिससे एन्नोर क्रीक में पक्षियों की आबादी में उल्लेखनीय गिरावट आई, लगभग 10 पेलिकन और पेंटेड स्टॉर्क संकट में बचे रहे।

- 🌿 भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट (डब्ल्यूटीआई) और बेसेंट मेमोरियल एनिमल डिस्पेंसरी (बीएमएडी), राज्य पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन विभाग, स्थानीय स्वयंसेवकों, वन्यजीव वार्डन चेन्नई और डब्ल्यूटीआई के सहयोग से, प्रभावितों के लिए फीडिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। पक्षियों को पकड़ने की आवश्यकता होती है, विशेषकर उन पक्षियों को जो रिसाव से प्रभावित होते हैं।

- 🤝 सहयोगात्मक दृष्टिकोण का उद्देश्य प्रभावित पक्षियों का आकलन करना और उनकी सहायता करना है, टीम पक्षियों को ताजी मछली खिलाने के लिए जाल के साथ 'कैफेटेरिया' स्थापित करने की योजना बना रही है और फीडिंग स्टेशनों तक पहुंचने के लिए मोटर चालित नावों की पहुंच से दूर क्षेत्रों में पैडल नौकाओं का उपयोग करने की योजना बना रही है, जिसका लक्ष्य मदद करना है। भोजन करते समय बीमार पक्षी।

- 🌍 जबकि तेल रिसाव ने क्षेत्र में पक्षियों और मछलियों दोनों को प्रभावित किया है, मायावी संकटग्रस्त पक्षियों को पकड़ने से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, प्रभाव अस्थायी होने के साथ, पारिस्थितिकी तंत्र के धीरे-धीरे ठीक होने की उम्मीद है।

रुपये का अंतर्राष्ट्रीयकरण

🌍💱रुपये के अंतर्राष्ट्रीयकरण में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में भारतीय मुद्रा के उपयोग को बढ़ावा देना और बढ़ाना शामिल है। वोस्ट्रो और नोस्ट्रो खाते घरेलू और विदेशी बैंकों के बीच आसान लेनदेन की सुविधा प्रदान करके इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे रुपये को वैश्विक मंच पर अधिक व्यापक रूप से स्वीकृत और उपयोग की जाने वाली मुद्रा बनाने के व्यापक लक्ष्य में योगदान मिलता है।

- 💵 **वोस्ट्रो खाता:** यह घरेलू बैंक द्वारा विदेशी बैंक के लिए घरेलू बैंक की मुद्रा में रखा गया एक खाता है, जो आयात और निर्यात भुगतान जैसे व्यापार लेनदेन की सुविधा प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, इंडसइंड बैंक और यूको बैंक जैसे भारतीय बैंक रूस के साथ व्यापार के लिए वोस्ट्रो खातों का प्रबंधन करते हैं, रुपये के लेनदेन को संभालते हैं।

- 💱 **नोस्ट्रो खाता:** इसके विपरीत, एक नोस्ट्रो खाता एक विदेशी बैंक द्वारा घरेलू बैंक की मुद्रा में रखा जाता है, जो विदेशी बैंकों को घरेलू मुद्रा में लेनदेन को संभालने में सक्षम बनाता है, जैसे कि एक अमेरिकी बैंक एक भारतीय में डॉलर खाता रखता है। किनारा।
ये खाते, जिनके नाम लैटिन ("नोस्ट्रो" का अर्थ 'हमारा' और "वोस्ट्रो" का अर्थ 'आपका' है) से लिए गए हैं, घरेलू और विदेशी बैंकों को एक-दूसरे की मुद्राओं में भुगतान और निपटान का प्रबंधन करने की अनुमति देकर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुव्यवस्थित करते हैं।